clickastro

SERVED OVER 107 MILLION SMILES
SINCE 1984

MARRIAGE HOROSCOPE

PREMIUM REPORT

नाम	: Rahul Kumar
लिंग	: पुरुष
जन्म तिथि	: 1 जानुवरी, 1989 रविवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	: 00:05:00 AM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	: 05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
जन्म स्थल	: New Delhi
रेखांश & अक्षांश (Deg.Mins)	: 77.12 पूरब , 28.36 उत्तर दिशा
अयनांश	: चित्रपक्ष = 23 डिग्रि. 42 मिनिट. 19 सेकेन्ड.
जन्म नक्षत्र - नक्षत्र पद	: **हस्त** - 4
जन्म राशी - राशी का देव	: **कन्या** - बुध
लग्न - लग्न का देव	: कन्या - बुध
तिथि	: नवमि, कृष्णपक्ष

निरायन संक्षिप्त (डिग्रि. मिनिट. सेकेन्ड.)

गृह	राशी	रेखांश	नक्षत्र/पद	गृह	राशी	रेखांश	नक्षत्र/पद
लग्न	कन्या	11:53:33	हस्त / 1	गुरु	वृषभ	3:2:12R	कृत्तिका / 2
चन्द्र	कन्या	22:47:9	हस्त / 4	शनि	धनु	11:51:41	मूल / 4
रवि	धनु	16:36:51	पूर्वषाढा / 1	राहु	कुंम्भ	14:5:41	शताभिषा / 3
बुध	मकर	3:18:43	उत्तरषाढा / 2	केतु	सिंह	14:5:41	पूर्व फालगुनी / 1
शुक्र	वृशचिक	23:48:25	ज्येष्ठ / 3	गुलिक	कन्या	10:10:54	हस्त / 1
मंगल	मीन	26:23:0	रेवत्ति / 3				

राशी

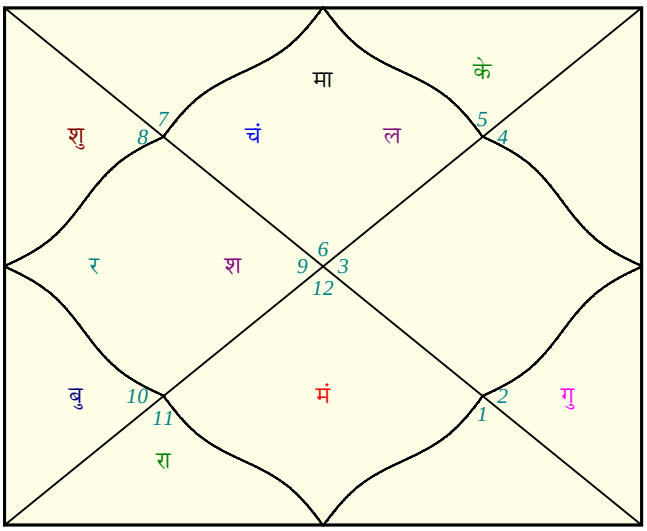

नवांश

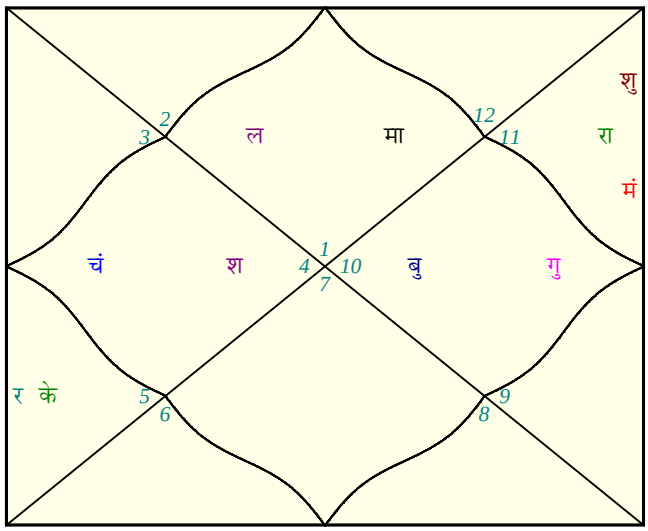

जन्म के समय दशा की समतुलना = चन्द्र 0 साल, 4 महीने, 28 दिन

वैवाहिक जीवन और सातवें स्थान की ग्रहदशा।

वैवाहिक जीवन से जुड़े हुए गुणदोष का निर्णय, सातवें स्थान, सप्तमेश, सप्तमकारक और अन्य ग्रहों की युति-दृष्टि के आधार पर किया जाता है।

सातवाँ भावाधिपति नवमें स्थान पर है। उम्र की अपेक्षा आप की पत्नी छोटी होते हुए भी, वह कार्यकुशल और विवेकशील स्त्री रहेगी। आप मितभाषी हैं और आप की अर्धांगिनी स्वभाव से वाचाल है। उसके वाचाल स्वभाव के कारण अनेक छोटे-मोटे प्रश्न उत्पन्न हो सकते हैं। गृह के छोटे-मोटे कार्य के निर्वाह के लिए समय का अभाव उत्पन्न होता रहेगा। बच्चों के अभ्यास क्षेत्र में गुण-दोष मिश्रित फल प्राप्ति होता रहेगा। आप की प्रगति विवाह के बाद होग । विदेाश से अनेक लोगों के माध्यम से सहयोग और लाभ प्राप्त होगा। र्ष्यालु पड़ोसी का सामना करना पड़ेगा। उन लोगों के साथ हर कार्य में आत्मनियंत्रण लाभदायक रहेगा।

दक्षिण दिशा से उत्तम जीवन संगिनी प्राप्त होने की संभावना रखते हैं।

मंगल सातवें स्थान पर हैं। विवाह कार्य में विलंब या विध्न की संभावनायें हैं। विवाह के बाद पत्नी से प्रेरणा शक्ति प्रदान होगी। अन्य कोर् दुरुपयोग न कर बैठे सका ध्यान रखना आवश्यक है। आपके मन की ष्ट-अनिष्ट च्छाओं का ठीक जगह पर प्रकट करना होगा। अन्यथा बाद में पछताना होगा। मानसिक बोझ उठाने का और मानसिक क्लेशों के आधीन होने की संभावनायें रखते हैं। ठीक प्रकार से जागरूक रहना होगा। अन्यथा मानसिक दबाव के अंत में विस्फोटित संजोग उपस्थित हो सकते हैं। आप बुद्धिमान है, फिर भी व्यवहार कुशलता में कच्चे हैं। मन जितना विकल्पों
से भरा रहेगा उतनी ही कार्यशक्ति क्षीण होता जाएगा ।

चन्द्र गुरु के स्वाधीन है। स कारण आपका वैवाहिक जीवन मंगलमय और सुखद् रहेगा। यह निश्चित है।

शुक्र पर गुरु की दृष्टि पड़ने से अन्य दोषयुक्त फलों की शक्ति क्षीण होग ।

विवाह के लिए अनुकूल समय

सातवी अधिपति, सातवी भाव में उपस्थित गृह जैसे शुक्र, राहु, चन्द्र , बृहस्पति का दृष्टि और अन्य विषयों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत दाश । अपहारा समय विवाह के लिए अनुकूल दिखार् पढ़ता है ।

१८ उम्रे से लेकर ५० उम्र तक का विश्लेषण.

दशा	अपहार	काल प्रारंभ	काल के अन्त समय	छान-बीन
राहु	केतु	29-11-2006	18-12-2007	अनुकूल
राहु	शुक्र	18-12-2007	18-12-2010	उचित
राहु	रवि	18-12-2010	11-11-2011	अनुकूल
राहु	चन्द्र	11-11-2011	12-05-2013	अनुकूल
राहु	मंगल	12-05-2013	31-05-2014	उचित
गुरु	शनि	18-07-2016	29-01-2019	अनुकूल
गुरु	बुध	29-01-2019	06-05-2021	अनुकूल
गुरु	केतु	06-05-2021	12-04-2022	अनुकूल
गुरु	शुक्र	12-04-2022	11-12-2024	उचित
गुरु	रवि	11-12-2024	29-09-2025	अनुकूल
गुरु	चन्द्र	29-09-2025	29-01-2027	अनुकूल
गुरु	मंगल	29-01-2027	05-01-2028	उचित
गुरु	राहु	05-01-2028	31-05-2030	उचित
शनि	शुक्र	22-03-2037	21-05-2040	अनुकूल

कुजदोष

जन्मपत्रिका में मंगल के प्रभाव को महत्वपूर्ण द्रष्टी से देखा जाता है। मंगल या कुज विवाह संबन्धी कार्यों पर अपना प्रभाव डालने वाला होता है। जब मंगल जन्मकुंडली के सातवें या आठवें स्थान पर रहता है तो अमंगलकारी या दोषयुक्त माना जाता है। शास्त्रोक्त

ग्रन्थों के आधार से यह पता चलता है कि सातवें या आठवें स्थान पर रहते हुए मंगल, दोष ग्रस्त होकर भी उसका प्रभाव खास कारण से क्षीण हो जाता है या अप्रिय हो जाता है। कुज दोष या मंगलदोष को समझने के लिये यहाँ विस्त्रित रूप से विश्लेषण किया गया है। निम्न लिखित बातों से पता चलता है कि आपकी जन्मपत्रिका में मंगल किस प्रकार शुभ-अशुभ फल उत्पन्न करता है।

स जन्मपत्रिका में मंगल, जन्म कुंडली में सातवँ स्थानपर रहा है।

यह स्थिती दोषपूर्ण है।

जन्मकुंडली में लग्न स्थान की अपेक्षा मंगलदोष का विश्लेशण किया गया है।
स जन्मकुंडली में मंगल का दोष दिखा देता है।

स्पष्टीकरण

थकान बिना प्रयास आपके सुखी परिवार जीवन का महत्वपूर्ण घटक है। आशावाद और मेहनत सें कठिणाईयों पर काबू पाने में मदद मिल सकती है। हानी रोकने हेतू, आपने पैसो कें मामलों में जादा ध्यान देना चाहिए। आप साहसी स्वभाव और प्रयास सें कठिनाई पर हल निकालनें में सक्षम है। निर्णय लेते समय साथी और बच्चो की पसंद पर ध्यान देने सें आपका परिवार जीवन में सुधार आयेगा। आपने परिवार में असहमती नही दिखानी चाहिए। बुरी साथ और बुरी आदतें टालने सें आपके साथी कों आपके बारे में अच्छा लगेगा।

उपचार

कुज दोष प्रभावों को कम करने के लिये ८ सुमांगली स्त्रीयों को हल्दी, कुमकुम केले/फल, हल्दी लिप्त नारीयल इत्यादी भेट दें।

राहु दोष और केतु दोष

राहु और केतु अस्पष्ट ग्रह है। उनकी ग़ति परस्पर संबंधित है और एकही अंग के भाग होने के कारन सभी समय वह एक दुसरों कें विरूद्ध है किन्तु दृष्टि सें विचार करते हुए, वह एक दुसरों सें संबंधित है।

सामान्य रूपसें, राहु सकारात्मक है और गुरूकें प्रती लाभदायी है और इसलिए वह विकास और स्व-मदद कें लिए कार्य करता है और केतु बंधन और शनीकें विघ्न दर्शाता है और इसलिए विकास में बाधा लाता है। इसप्रकार, राहु सकारात्मक उद्देश्य दर्शाता है और केतु विकास की सहज संधि दर्शाता है।

इसलिए, राहु भौतीकवाद और इच्छा सूचित करता है, तथा केतु आध्यात्मिक प्रवृत्ति और भौतीकवाद क़ी सुक्ष्मता प्रक्रिया दर्शाता है। राहु को कपट, धोखा और बेईमानी कें लिए माना जाता है।

राहु दोष

आपकी जन्मकुंडली में राहु दोष नही।

राहु दोष कें उपाय

आपकी जन्मकुंडली में राहुदोष न होने सें, आपने कुछ उपाय करनें की जरूरत नही।

केतु दोष

आप अच्छी तरीके सें खर्चा करके पैसो के बारे में स्थिरता पा सकते है। पैसा कमाना और परिवार को सुख देना आपके लिए कठीन नही। विनयशील रहने सें कभी-कभी बुरा समय और नुकसान हो सकता है। आप अडचनें और ऋण पर दृढता सें जीत पा सकते है। साथी से अनुभव बाटने सें मन की शांती और कार्य अच्छे होगे। आपने बुरी संगत और परिणाम सुखी और स्वास्थ्य जीवन हेतू टालने

चाहिए। आपकों आखें छोड के शरीर के उपरी भाग के विकार हो सकते है। पेट का निचा भाग और प्रोस्ट्रेट भाग की परवाह करें.

केतु दोष हेतू उपाय

केतु दोष के बुरे परिणाम कम करने हेतू, आप निचे दिये उपाय कर सकते है।

सफेद कपडे की बॅग में कुछ ग्राम चना लें और सोने से पूर्व उसे तकिए के निचे रखे। आपने वह सुबह उठकर कौवे को डालने चाहिए। ऐसे लगातार ९ दिन करें, और अंतीम दिन भगवान गणेशजी के मंदीर में शाम में दर्शन लें। स्वेच्छा सें दान करकें परिक्रमा करें।

केतुकवचयंत्र लेकर समर्पी त भाव सें पहने।

केतु कें लिए आराधना देवता - भगवान गणेश और हनुमान. उनकें मंदीर में दर्शन लेके स्वेच्छा सें दान करें।

घरमें सुदर्शन चक्र रखे और केतु दोष के परिणाम कम करने हेतू निचे दिया श्लोक पढें।

अस्मिक मंडले अधिदेवता
प्रथ्याधिदेवता साहिथम
केकीग्रम धयायामि आवाहायामी

श्रीं ॐ नमो भगवती श्री शूलिनी
सर्व भुतेश्धरी ज्वाला ज्वाला मायी सुप्रदा
सर्व भूतादि दोषाया दोषाया
केतुरग्रह निपीडीताथ नक्षत्रे
राशोजाथाम सर्वनाम मम
मोक्ष मोक्ष स्वाः

दशा और भुक्ती का विवरण काल

(साल = 365.25 दिन)
जन्म के समय दशा की समतुलना = चन्द्र 0 साल, 4 महीने, 28 दिन

दशा	भुक्ती	आरंभ	अन्तिम
चन्द्र	सूर्य	01-01-1989	31-05-1989
कुज	कुज	31-05-1989	27-10-1989
कुज	राहू	27-10-1989	14-11-1990
कुज	गुरु	14-11-1990	21-10-1991
कुज	शनि	21-10-1991	29-11-1992
कुज	बुध	29-11-1992	26-11-1993
कुज	केतू	26-11-1993	24-04-1994
कुज	शुक्र	24-04-1994	24-06-1995
कुज	सूर्य	24-06-1995	30-10-1995
कुज	चन्द्र	30-10-1995	30-05-1996
राहू	राहू	30-05-1996	10-02-1999
राहू	गुरु	10-02-1999	06-07-2001

राहू	शनि	06-07-2001	12-05-2004
राहू	बुध	12-05-2004	29-11-2006
राहू	केतू	29-11-2006	18-12-2007
राहू	शुक्र	18-12-2007	18-12-2010
राहू	सूर्य	18-12-2010	11-11-2011
राहू	चन्द्र	11-11-2011	12-05-2013
राहू	कुज	12-05-2013	31-05-2014
गुरु	गुरु	31-05-2014	18-07-2016
गुरु	शनि	18-07-2016	29-01-2019
गुरु	बुध	29-01-2019	06-05-2021
गुरु	केतू	06-05-2021	12-04-2022
गुरु	शुक्र	12-04-2022	11-12-2024
गुरु	सूर्य	11-12-2024	29-09-2025
गुरु	चन्द्र	29-09-2025	29-01-2027
गुरु	कुज	29-01-2027	05-01-2028
गुरु	राहू	05-01-2028	31-05-2030
शनि	शनि	31-05-2030	03-06-2033
शनि	बुध	03-06-2033	11-02-2036
शनि	केतू	11-02-2036	22-03-2037
शनि	शुक्र	22-03-2037	21-05-2040
शनि	सूर्य	21-05-2040	03-05-2041
शनि	चन्द्र	03-05-2041	02-12-2042
शनि	कुज	02-12-2042	11-01-2044
शनि	राहू	11-01-2044	17-11-2046
शनि	गुरु	17-11-2046	31-05-2049
बुध	बुध	31-05-2049	27-10-2051
बुध	केतू	27-10-2051	23-10-2052
बुध	शुक्र	23-10-2052	24-08-2055
बुध	सूर्य	24-08-2055	30-06-2056
बुध	चन्द्र	30-06-2056	29-11-2057
बुध	कुज	29-11-2057	26-11-2058
बुध	राहू	26-11-2058	15-06-2061
बुध	गुरु	15-06-2061	21-09-2063
बुध	शनि	21-09-2063	31-05-2066
केतू	केतू	31-05-2066	27-10-2066
केतू	शुक्र	27-10-2066	27-12-2067
केतू	सूर्य	27-12-2067	03-05-2068
केतू	चन्द्र	03-05-2068	02-12-2068
केतू	कुज	02-12-2068	30-04-2069
केतू	राहू	30-04-2069	19-05-2070
केतू	गुरु	19-05-2070	24-04-2071
केतू	शनि	24-04-2071	02-06-2072
केतू	बुध	02-06-2072	31-05-2073

शुक्र	शुक्र	31-05-2073	29-09-2076
शुक्र	सूर्य	29-09-2076	29-09-2077
शुक्र	चन्द्र	29-09-2077	31-05-2079
शुक्र	कुज	31-05-2079	30-07-2080
शुक्र	राहू	30-07-2080	31-07-2083
शुक्र	गुरु	31-07-2083	31-03-2086

नीचे खीची गं रेखा, आपके आयुष्य को बताने वाली रेखा नही है।

With best wishes : Astro-Vision Futuretech Pvt.Ltd.
First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032

[Marriage Report 1.3]

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.